यमन में 9 साल बाद खत्म होगी जंग : सऊदी ने हूती विद्रोहियों से की बात, जो काम अमेरिका नहीं कर पाया चीन ने कर दिखाया

साना।

यमन में 2014 से जारी गृह युद्ध खत्म हो सकता है। इसके लिए सऊदी अरब और ओमान के एक डेलीगेशन ने यमन में हूती विद्रोहियों से बातचीत की है। अलजजीरा के मुताबिक दोनों पक्ष सीज फायर को लेकर समझौता कर सकते हैं। ये बातचीत पिछले महीने सऊदी अरब और ईरान के बीच हुए शांति समझौते का नतीजा मानी जा रही है। सऊदी और ओमान के डेलीगेशन ने यमन के सबसे ज्यादा हिस्से में कब्जा करने वाले हूती विद्रोहियों के हेड मेहदी अल मशत से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने यमन में शांति स्थापित करने पर जोर दिया।

डील में क्या-क्या तय हुआ - सउदी डेलीगेशन और हूती विद्रोहियों के बीच हुई डील को सार्वजनिक नहीं किया गया है। हालांकि, इससे जुड़ी कई बातें सूत्रों के हवाले से बाहर आई हैं। 9 साल तक चली जंग के बाद मिलकर देश को नए सिरे से खड़ा किया जाएगा। सरकारी कर्मचारियों को वेतन दिया जाएगा। सारे एयरपोर्ट्स और बंदरगाहों को खोल दिया जाएगा। देश से सारी बाहरी ताकतों को निकाला जाएगा। राजनीतिक स्थिरता के लिए बदलाव किए जाएंगे।

जो काम अमेरिका नहीं कर पाया चीन ने कर दिखाया - यमन में 9 सालों से चल रही जंग को जारी रखने में सऊदी अरब और ईरान दो महत्वपूर्ण ताकतें हैं। यमन की सरकार को जहां सऊदी का समर्थन है वहीं हूती विद्रोहियों को ईरान का। ऐसे में अगर ईरान और सऊदी के बीच बातचीत होती है और उनके रिश्ते सुधरते हैं तो यकीनन इसका असर यमन की जंग पर पड़ना तय माना जा रहा था। 11 मार्च को चीन की राजधानी बीजिंग में ईरान और सऊदी अरब के बीच अहम समझौता हुआ। जो चीन ने करवाया। 2016 के बाद दोनों ने एक-दूसरे के मुल्क में अपनी-अपनी एम्बेसी फिर खोलने के लिए राजी हो गए थे। इससे दोनों देशों के बीच सात साल से जारी टकराव कम हुआ। दरअसल, सात साल पहले सऊदी अरब ने ईरान के लिए जासूसी के आरोप में 32 शिया मुसलमानों के खिलाफ मुकदमा शुरू किया था। इसमें 30 सऊदी अरब के ही नागरिक थे। ईरान ने बदला लेने की धमकी दी थी। ये सभी जेल में हैं।

न्यूज ब्रीफ

फ्रांस की इमारतों में धमाके की वजह आई सामने, मलबे में दो लोगों के शव बरामद

पेरिस। फ्रांस मार्सेली में हुए एक जबरदस्त धमाके में दो इमारतें ढह गईं। इमारतों के मलबे में राहत और बचाव कार्य जारी हैं। हालांकि धमाके की वजह से इमारतों के मलबे के भीतर आग धधक रही है, जिसकी वजह से राहत और बचाव कार्य में देरी हो रही है। मलबे में अभी तक दो लोगों के शव बरामद हुए हैं। वहीं छह लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राहत और बचाव कार्य में कई मुश्किलों की वजह से मलबे में फंसे लोगों को निकालने में समय लगेगा। इसके बाद उनकी पहचान की जाएगी। बता दें कि मार्सेली शहर की एक इमारत में तेज विस्फोट हुआ, जिससे वह इमारत और उसके पास की एक अन्य इमारत बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। विस्फोट की वजह अभी तक साफ नहीं है लेकिन जांच अधिकारियों का मानना है कि विस्फोट गैस लीक की वजह से हुआ। आसपास रहने वाले लोगों का कहना है कि विस्फोट के बाद से ही वह गैस की तेज गंध महसूस कर रहे हैं।

बैसाखी मनाने 2500 भारतीय सिख तीर्थयात्री पहुंचे पाकिस्तान, मुख्य कार्यक्रम में लेंगे हिस्सा

लाहौर। पाकिस्तान में वैसाखी मेला में शामिल होने के लिए करीब 2,500 सिख श्रद्धालु भारत से वाघा सीमा के रास्ते यहां पहुंचे। यहां वह 12 अप्रैल को गुरुद्वारा श्री पंजा साहिब हसन अब्दाल पहुंचेंगे और वह 14 अप्रैल को मुख्य कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इवैक्यूई ट्रस्ट प्रोपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के प्रवक्ता आमिर हाशमी ने बताया कि सिख त्योहार बैसाखी केसमारोह में भारत से 2,470 तीर्थयात्री प्रबंधक समिति शिरोमणि गुरुद्वारा के सरदार अमरजीत सिंह के नेतृत्व में यहां पहुंचे हैं। ईटीपीबी पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के पवित्र स्थलों की देखभाल करता है। ईटीपीबी के अध्यक्ष हबीबुर रहमान गिलानी और पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा बंधन समिति के प्रधान सरदार अमीर सिंह ने वाघा सीमा पर तीर्थयात्रियों की अगवानी की। हाशमी ने कहा कि सिख तीर्थयात्रियों को कड़ी सुरक्षा के बीच ननकाना साहिब भेजा गया जहां वे बाबा गुरु नानक की जन्मस्थली पर धार्मिक अनुष्ठान करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्य कार्यक्रम 14 अप्रैल को गुरुद्वारा पंजा साहिब हसन अब्दल में होगा, जिसमें विभिन्न राजनीतिक, धार्मिक और सिख नेता भाग लेंगे। आगे कहा कि तीर्थयात्री 18 अप्रैल को भारत रवाना होने से पहले फारूकाबाद, करतारपुर, रोहरी साहिब, अमीनाबाद भी जाएंगे। ईटीपीबी के अध्यक्ष गिलानी ने कहा कि सिख यात्रियों के लिए सभी प्रबंध बेहतरीन तरीके से किए गए हैं और उन्हें सुरक्षा, चिकित्सा और यात्रा व्यवस्था के साथ अन्य सभी प्रशासनिक व्यवस्थाएं मुहैया कराई जाएंगी। एसजीपीसी नेता अमरजीत सिंह भलीपुर ने कहा कि सिख तीर्थयात्रियों ने खुशी जाहिर की है।

अब एक टीके से खात्म होगी कैंसर और हार्ट की बीमारी

लंदन। कैंसर और हार्ट के मरीजों के लिए एक खुशखबरी सामने आई है। अब एक टीके से इन बीमारियों का इलाज किया जा सकेगा। विशेषज्ञों की मानें तो इस दशक के अंत तक इन बीमारियों से निजात पाने के लिए वैक्सीन का ईजाद हो सकता है। उनका कहना है कि कैंसर सहित कई रोगों के लिए नए टीकों के आने से लाखों लोगों की जान बचाई जा सकती है। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सभी शर्तो को पूर्ण कर 2030 तक वैक्सीन को तैयार कर लिया जाएगा। दवा कंपनी मॉडर्ना के मुख्य चिकित्सा अधिकारी पॉल बर्टन ने कहा कि उनका मानना है कि फर्म सभी प्रकार के रोग क्षेत्रों के लिए कम से कम पांच साल में इस तरह के उपचार की पेशकश करने में सक्षम होगी। रिपोर्ट के अनुसार, कोरोना वायरस को मात देने के लिए वैक्सीन बनाने वाली कंपनी का दावा है कि वो विभिन्न प्रकार के ट्यूमर को लक्षित करने वाले कैंसर के टीके जल्द विकसित कर लेगी। पॉल बर्टन ने कहा कि मुझे लगता है कि हम दुनिया भर के लोगों को कई अलग-अलग ट्यूमर प्रकारों के खिलाफ कैंसर के टीके देने में सक्षम होंगे।

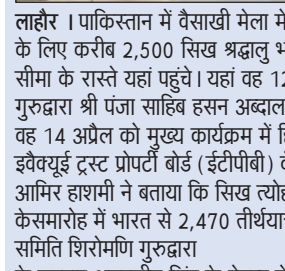

ताइवान के पास चीन की वार ड्रिल

असली गोला-बारूद दागा ; रॉकेट-मिसाइलें, वॉरशिप तैनात किए...172 फाइटर जेट्स उड़े

बीजिंग/ताइपे।

चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने ताइवान के ईदगिर्द इलाकों में सैन्य अभ्यास के तीसरे दिन लाइव गोला-बारूद का इस्तेमाल किया। ईस्टर्न थिएटर कमांड ने एक बयान में कहा- हमारे फाइटर जेट्स ने ताइवान के सलेक्टेड टारगेट्स पर गोला-बारूद से हमला किया है। इस मिलिट्री एक्सरसाइज में शेनडोंग वॉरशिप भी शामिल है। चीन ने वॉरशिप के साथ रॉकेट-मिसाइलों की भी तैनात की। चीन ने 8 अप्रैल को फुजियान प्रांत के पिंगटन आईलैंड के पास 4 इलाकों में मिलिट्री ड्रिल शुरू की थी। ये इलाका ताइवान के काफी करीब है। ड्रिल के तीसरे दिन ताइवान की डिफेंस मिनिस्ट्री ने कहा कि पिंगटन आईलैंड के इलाके में चीन के 11 वॉरशिप और 59 फाइटर जेट्स दिखाई दिए हैं। तीन दिन की ड्रिल में कुल 172 चीनी फाइटर जेट्स ने उड़ान भरी। 64 वॉरशिप भी शामिल हुए। चीन ने ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग वेन की अमेरिका विजिट के बाद ये सैन्य अभ्यास किया है।

साउथ चाइना सी में दिखाई दिया अमेरिकी युद्धपोत - इसी बीच साउथ चाइना सी में अमेरिकी नेवी का पोत दिखाई दिया। साउथ चाइना सी के जिस इलाके में ये पोत दिखा है उस पर चीन अपना दावा करता है। यूएस नेवी ने बताया कि मीलियस वहां रेगुलर पेट्रोलिंग कर रहा है। पोत फ्रीडम ऑफ नेविगेशन ऑपरेशन के तहत विवादित स्प्रैटली आईलैंड के पास से गुजरा है। वहीं, चीन का कहना है कि स्स मीलियस ने अवैध रूप से साउथ चाइना सी में घुसपैठ की है।

अमेरिका बोला चीन की हरकतों पर हमारी नजर - चीन के इस तरह से ताइवान के पास युद्धाभ्यास करने पर अमेरिका के स्टेट डिपार्टमेंट के प्रवक्ता ने कहा था कि वो चीन की हरकतों पर नजर बनाए हुए हैं। अमेरिका के पास इलाके में शांति बनाए रखने के लिए उचित संसाधन हैं। हम अपने नेशनल सिक्योरिटी के वादों को पूरा करने में सक्षम हैं।

पूरे ऑपरेशन को यूनाइटेड शार्प सोर्ड नाम दिया गया - चीन ने इस अभ्यास को यूनाइटेड शार्प सोर्ड नाम दिया है। ये मिलिट्री ड्रिल ताइवानी तट से सिर्फ 50 किमी दूर की जा रही है। चीन पहले यह ड्रिल ताइवान से करीब 100 किमी दूर करता था, लेकिन साई इंग वेन के अमेरिका दौरे के बाद अब बेहद नजदीक पहुंच गया है। ताइवान के मुताबिक, ड्रिल के पहले दिन (8 अप्रैल को) पिंगटन आईलैंड के इलाके में चीन के 8 वॉरशिप और 42 फाइटर जेट्स दिखाई दिए थे। दूसरे दिन (9 अप्रैल को) चीन ने 71 फाइटर जेट्स और 45 वॉर प्लेन से घेर लिया था। वहीं, अभ्यास शुरू होने से पहले यानी 7 अप्रैल को ही चीन ने अपने 2 लड़ाकू विमान और शेनडोंग समेत 3 वॉरशिप ताइवान के पास तैनात कर दिए थे।

ग्लोबल सप्लाई चेन पर होगा असर - चीन ताइवान के आस-पास समुद्र में मिलिट्री ड्रिल कर रहा है। ये इलाका काफी बिजी शिपिंग रूट है। इसी रास्ते से सेमीकंडक्टर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट्स दुनियाभर में भेजे जाते हैं। नैचुरल गैस सप्लाई के लिए भी ये सी-रूट महत्वपूर्ण है। दुनिया के लगभग आधे कंटेनर शिप इसी रास्ते से निकलते हैं। ऐसे में चीन के यहां मिलिट्री एक्सरसाइज करने से शिप्स को आने-जाने से रोका जा सकता है।

नैंसी पेलोसी की ताइवान विजिट के बाद भी चीन ने मिलिट्री ड्रिल की थी - 2 अगस्त को पूर्व अमेरिकी संसद स्पीकर नैंसी पेलोसी ने ताइवान का दौरा किया था। इससे नाराज चीन ने 4 अगस्त को ताइवान के उत्तरी, दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिण-पूर्वी इलाकों में मिलिट्री ड्रिल की थी। नैंसी पेलोसी की ताइवान विजिट को लेकर यूएस और चीन के बीच तनाव बना हुआ था। चीन अमेरिका को धमकी दे रहा था। वो नहीं चाहता था कि पेलोसी ताइवान का दौरा करें। चीन ने कहा था कि अगर पेलोसी का प्लेन ताइवान की तरफ गया तो वो उस पर हमला कर देगा। इस धमकी के बाद अमेरिकी नेवी और एयरफोर्स के 24 एडवांस्ड फाइटर जेट्स ने नैंसी के प्लेन को एस्कॉर्ट किया था।

अमेरिका-चीन के रिश्तों में ताइवान सबसे बड़ा फ्लैश पॉइंट - अमेरिका ने 1979 में चीन के साथ रिश्ते बहाल किए और ताइवान के साथ अपने डिप्लोमैटिक रिश्ते तोड़ लिए। हालांकि चीन के ऐतराज के बावजूद अमेरिका ताइवान को हथियारों की सप्लाई करता रहा। अमेरिका भी दशकों से वन चाइना पॉलिसी का समर्थन करता है, लेकिन ताइवान के मुद्दे पर अस्पष्ट नीति अपनाता है। राष्ट्रपति जो बाइडेन फिलहाल इस पॉलिसी से बाहर जाते दिख रहे हैं। उन्होंने कई मौकों पर कहा है कि अगर ताइवान पर चीन हमला करता है तो अमेरिका उसके बचाव में उतरेगा। बाइडेन ने हथियारों की बिक्री जारी रखते हुए अमेरिकी अधिकारियों का ताइवान से मेल-जोल बढ़ा दिया। इसका असर ये हुआ कि चीन ने ताइवान के हवाई और जलीय क्षेत्र में अपनी घुसपैठ आक्रामक कर दी है।

अफ्रीकी देश रवांडा की संसद में 55प्रतिशत महिलाएं

यहां महिला पर्यटक अकेले घूमने में सुरक्षित, ऐसे 5 देशों में यूएई भी शामिल

लंदन।

दुनिया में हर 3 में से 1 यात्री अकेले यात्रा पसंद करता है। 65 या अधिक उम्र की महिलाएं इस रुझान को आगे ले जा रही हैं। 2019 में अकेले यात्रा करने वालों में 4प्रतिशत बुजुर्ग महिलाएं थीं। ये आंकड़ा 2022 में बढ़कर 18प्रतिशत हो गया। नॉर्वेजियन क्रूज लाइन की रिसर्च के मुताबिक अकेले यात्रा का चलन बढ़ा है। ऐसे में इन महिलाओं की सुरक्षा अहम है। एक रिसर्च में जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी के वूमंस पीस एंड सिक्योरिटी इंडेक्स, वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट और पीस ग्लोबल पीस इंडेक्स के आधार पर अकेली महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित पांच देशों की चुनाव किया गया है। इसमें दूसरे नंबर पर रवांडा है। यहां संसद में 55प्रतिशत महिलाएं हैं। संसद में जेंडर समानता को लेकर दुनिया मे रवांडा पहले नंबर पर है। महिला यात्रियों का अनुभव है कि यहां पूरे समय सुरक्षा तैनाती रहती है। शुरू में यह डराता है लेकिन बाद में इनका दोस्ताना व्यवहार सुरक्षा का अहसास देता है। स्लोवेनिया : रात में भी यहां महिला पर्यटक निडर होकर घूम सकती हैं इंडेक्स में स्लोवेनिया शीर्ष पर है और 85प्रतिशत महिलाएं यहां यात्रा में सुरक्षित महसूस करती हैं। महिलाएं रात में भी यहां फोटो खींचती हुई निडर घूम सकती हैं। भाषा की दृष्टि से कोई दिक्कत नहीं है पब्लिक ट्रांसपोर्ट भरोसेमंद है। जंगल में सैर करते हुए भी इमरजेंसी में शहर नजदीक होते हैं।

98प्रतिशत ने सुरक्षित बताया - कम्युनिटी सेफ्टी के मामले में 15 साल या उससे ज्यादा की 98 महिलाओं ने रिसर्च में बताया कि रात में भी शहर सुरक्षित महसूस कराता है। माय ट्रिप इंडेक्स में दुबई को अकेली महिला पर्यटकों के लिए सबसे सुरक्षित शहरों में से एक पाया गया है। पर्यटक सैंडी का कहना है कि महिलाएं डेजर्ट सफारी का भी आनंद ले सकती हैं। ग्लोबल पीस इंडेक्स के सबसे सुरक्षित 10 देशों में शुमार जापान में हिंसक अपराधों की दर कम है। महिलाओं के लिए सबवे कार और रेस्ट हाउस का कल्चर है। युवाओं में अकेले रहने के बढ़ते चलन के बीच यहां अकेले पर्यटकों के लिए कई गतिविधियां करने को हैं।

पोप के ईस्टर संदेश में रूस-यूक्रेन जंग का जिक्र: कहा- दोनों देशों के लोगों के लिए दुआ करें; दुनिया से संघर्ष खत्म करने की अपील

वैटिकन सिटी।

ईस्टर के त्योहार पर दिए मैसेज में ईसाईयों के सबसे बड़े धर्म गुरू पोप फ्रांसिस ने रूस और यूक्रेन के लोगों के लिए दुआ करने की अपील की है। अपने संदेश में पोप ने उन देशों की भी सराहना की जिन्होंने शरणार्थियों को पनाह दी। ईस्टर पर दिए मैसेज में पोप ने दुनिया में लड़ी जा रही सभी जंग खत्म करने की अपील की। व्हील चेयर पर बैठकर दी गई स्पीच में पोप ने कहा, शांति हासिल करने की राह पर यूक्रेन के लोगों की मदद करें और रूस के लोगों पर भी दुआएं बनीं रहें।

सीरिया-तुर्किये भूकंप में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी - पोप ने कहा, मैं उन लोगों के लिए दुआ करता हूं जिन्होंने जंग में अपने लोगों को खोया है, उम्मीद करता हूं कि जंग के कैदी जल्द अपने घर अपने परिवारों के पास लौट पाएंगे। पोप फ्रांसिस ने सीरिया और तुर्किये में आए भूकंप में जान गंवाने वाले और उनके परिवार के लिए अमन की कामना की।

वेटिकन में 8 हजार लोगों के सामने हुआ पोप का भाषण - पोप ने वेटिकन सिटी के सेंट पीटर्स बैसिलिका चर्च में अपना भाषण दिया।

इससे पहले पोप ने चर्च की सालों पुरानी परंपरा के मुताबिक एक बड़ी कैंडल जलाई। इसके बाद उन्हें व्हील चेयर पर भाषण के लिए वहां मौजूद लोगों के सामने लाया गया।

ईसा मसीह के पुनर्जीवित होने की खुशी में मनाते हैं ईस्टर - ईस्टर ईसाई धर्म के महत्वपूर्ण पर्वों में से एक है। ईसा मसीह के पुनर्जीवित होने की खुशी में ईस्टर पर्व मनाया जाता है। ईसाई धर्म की मान्यताओं के अनुसार गुड फ्राइडे के तीसरे दिन ईसा मसीह दोबारा जीवित हो गए थे, जिसे ईसाई धर्म के लोग ईस्टर संडे के नाम से मनाते हैं।

श्रीलंका में महाबोधि पेड़ को जहरीली गैस से खतरा : चीन के पावर प्लांट से निकल रहा एसिड, कई बच्चों को हो चुकी है स्किन डिसीज

कोलंबो।

चीन की फंडिंग वाले नोरोचचोलाई कोल पावर प्लांट से निकलने वाला जहरीला एसिड दुनिया के सबसे पुराने श्री महाबोधि पेड़ के लिए खतरनाक हो सकता है। इलाके में सर्वे करने के बाद इकोलॉजिस्ट ने बताया कि पावर प्लांट से निकलने वाले एसिडिक क्लाउड अनुराधापुरा की तरफ बढ़ सकते हैं, जहां महाबोधि पेड़ स्थित है। पावर प्लांट के आसपास मौजूद पेड़ों में पहले ही इसके लक्षण नजर आने लगे हैं। जहरीली गैस के चलते कुछ ऊंचे पेड़ों के पत्ते पीले पड़ चुके हैं। इलाके में रहने वाले कई बच्चों को स्किन डिसीज भी हो चुकी हैं।

पावर प्लांट के बाय-प्रोडक्ट्स पर्यावरण के लिए खतरा - नोरोचचोलाई प्लांट श्रीलंका का सबसे बड़ा थर्मल पावर प्लांट है। इस प्लांट से तय मानक से ज्यादा इमिशन दर्ज किया गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्लांट में अक्सर ब्रेकडाउन की दिक्कत रहती है। वहीं प्लांट से निकलने वाले अवशेष फ्लाई ऐश और बॉटम ऐश को एक खुले गड्ढे में स्टोर किया जाता है। ये पावर प्लांट से निकलने वाले बाय-प्रोडक्ट्स हैं।

खुले गड्ढों में रखे जाने के चलते ये हवा के साथ आसपास के इलाकों में पहुंच जाते हैं जिससे कई बच्चों में स्किन संबंधी बीमारियां हो चुकी हैं। इसके अलावा पावर प्लांट से निकलने वाले गर्म पानी के चलते बड़ी मात्रा में सॉलिड, हीट और वॉटर वेस्ट भी बढ़ता है जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है। ये एसिडिक कंडीशन धीरे-धीरे समुद्री क्षेत्र की तरफ भी बढ़ रही है।

हंबनटोटा में निवेश करेगी चीनी कंपनी सिनोपेक - रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन की सिनोपेक कंपनी ने श्रीलंका के हंबनटोटा में निवेश करने की बात कही है। कंपनी के अधिकारियों और श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के बीच एक मीटिंग के बाद देश के मीडिया डिविजन ने इसकी घोषणा की। कोलंबो गजट के अनुसार, पहले भी चीनी प्रोजेक्ट्स के चलते कई बार महाबोधि पेड़ के लिए खतरा पैदा हो चुका है। वहीं श्रीलंका को कर्ज देने की शर्तों को मंजूरी देने के बाद चीन जल्द ही यहां वापसी करने वाला है।

श्रीलंका में मिलिट्री बेस बनाना चाहता है चीन - चीन श्रीलंका के पोर्ट्स और एनर्जी सेक्टर में अपने निवेश को बढ़ाना चाहता है। श्रीलंका की पिछली सरकार ने चीन के बनाए गए 1.5 अरब डॉलर के हंबनटोटा पोर्ट को 99 साल की लीज पर राज्य के स्वामित्व वाली फर्मों को पट्टे पर दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन ने पोर्ट के चारों तरफ 15 हजार एकड़ का इंडस्ट्रियल जोन बनाने का भी वादा किया था जो अभी तक पूरा नहीं हुआ है। आशंका ये भी है कि श्रीलंका को अरबों डॉलर के कर्ज और निवेश के जरिए चीन हंबनटोटा में एक मिलिट्री बेस बनाने की योजना पर काम कर रहा है।

इमरान ने इंडियन पॉलिसी की तारीफ की

बोले- हम भी भारत की तरह रूस से तेल खरीदना चाहते थे, अफसोस...सरकार ही गिर गई

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक बार फिर भारत की तारीफ की है। उन्होंने देश के नाम एक संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि रूस-यूक्रेन जंग के बीच पाकिस्तान भी रूस से सस्ता तेल खरीद सकता है। भारत की फॉरेन पॉलिसी को लेकर खान ने कहा- हम भी भारत की तरह रूस से तेल खरीदना चाहते थे लेकिन हम नहीं खरीद पाए। अफसोस... हमारी सरकार गिर गई थी। इसके पहले मई 2022 में खान ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूस से तेल खरीदने के फैसले की सराहना की थी। उन्होंने कहा था- भारत क्वॉड का मेंबर है। उस पर अमेरिकी दबाव है। इसके बावजूद वो रूस से सस्ता तेल खरीद रहा है और इसके जरिए अपने नागरिकों को राहत दे रहा है। मेरी सरकार भी भारत की तर्ज पर इंडिपेंडेंट फॉरेन पॉलिसी चाहती थी और उस पर काम कर रही थी।

24 फरवरी को रूस में थे खान, इसी दिन जंग शुरू हुई थी - इमरान खान 22 फरवरी से 24 फरवरी तक रूस के दौरे पर थे। 24 फरवरी को ही

रूसी सैनिकों ने यूक्रेन पर हमला कर दिया था। ये 23 साल में पहली बार था जब पाकिस्तान का कोई प्रधानमंत्री रूस के दौरे पर गया हो। इससे पहले मार्च 1999 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ रूस गए थे। 2022 में तेल की कीमतों में भारी इजाफे की वजह से पाकिस्तान की आवाम मुसीबतों का सामना कर रही थी। इमरान दूसरे देशों से कर्ज लेकर पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था दुरुस्त करने में जुटे हुए थे।

पाक मंत्री का दावा- पाकिस्तान-रूस के बीच ऑयल डील हुई - पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, पेट्रोलियम राज्य मंत्री मुसादिक मलिक ने दावा किया है कि रूस से सस्ते तेल की पहली खेप अप्रैल 2023 के अंत तक पाकिस्तान पहुंच जाएगी। उन्होंने कहा था- पाकिस्तान और रूस के बीच एक डील हुई है। इसके तहत सस्ते तेल की पहली खेप जल्द इस्लामाबाद पहुंच जाएगी।

एक साल में 4 बार पीएम मोदी और भारत की तारीफ कर चुके हैं खान - सितंबर 2022 में इमरान खान ने भारत के पीएम मोदी की सराहना करते हुए कहा था- नरेंद्र मोदी की देश के बाहर कोई प्रॉपर्टी नहीं है, लेकिन हमारे यहां के नेताओं की दूसरे देशों में करोड़ों की संपत्ति है। इमरान ने अपने ही देश के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को कोसते हुए कहा कि हमारे यहां के पीएम की विदेशों में अरबों रुपए की प्रॉपर्टी और करोड़ों का कारोबार है। अगस्त 2022 में लाहौर में एक रैली के दौरान खान ने कहा था- भारत एक आजाद मुल्क है। उन्होंने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर का एक वीडियो दिखाया था, जिसमें जयशंकर रूस से सस्ता तेल खरीदने के सवाल पर जवाब दे रहे हैं। वीडियो दिखाते हुए इमरान ने कहा था- यह होता है एक आजाद मुल्क। भारत जिसे पाकिस्तान के साथ आजादी मिली थी। अगर नई दिल्ली अपने लोगों की जरूरत के हिसाब से अपनी विदेश नीति बना सकता है तो प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सरकार क्यों नहीं। अप्रैल 2022 में भारत की तारीफ करते हुए इमरान ने कहा था- भारत हमारे साथ आजाद हुआ। उसे मैं बहुत बेहतर जानता हूं।

फ्रांसीसी आल्प्स पर्वत में हुआ हिमस्खलन, चार लोगों की मौत, कई घायल, गृह मंत्री ने दी जानकारी

पेरिस। फ्रांस के आल्प्स में मोंट ब्लांक के दक्षिण-पश्चिम में हिमस्खलन से चार लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। इसकी जानकारी फ्रांस के गृह मंत्री गेराल्ड डर्मेनिन ने ट्विटर पर दी। उन्होंने बताया कि यह प्रारंभिक मृतक संख्या है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, हिमस्खलन दिन के समय आया और इसमें फंसे ज्यादातर लोग पर्वतारोहण कर रहे थे। शैमॉनिक्स से लगभग 30 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में हाउते-सावोई क्षेत्र के कॉन्टैमाइन्स-मोंटजोई में हिमनद में हिमस्खलन हुआ। गृह मंत्री गेराल्ड डारमानिन ने ट्वीट करके यह जानकारी दी, लेकिन उन्होंने मृतकों के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी। फ्रांस में ईस्टर के मौके पर अवकाश के दौरान बड़ी संख्या में लोग आल्प्स जाते है। स्थानीय फ्रांस-ब्लेयू रेडियो स्टेशन ने बताया कि हिमस्खलन का आकार 1,000 मीटर लंबा और 100 मीटर चौड़ा था। स्टेशन ने बताया कि तलाश अभियान में मदद के लिए दो हेलीकॉप्टर भेजे गए थे। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने ट्विटर पर लिखा कि बचाव सेवाएं और हताहतों की तलाश जारी रख रही हैं और उनकी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं।